

PREVIEW QUESTION BANK(Dual)

Module Name : HUPH10 Informal Sector and Labour Studies
Exam Date : 31-Oct-2023 Batch : 14:30-17:30

Sr. No.	Client Question ID	Question Body and Alternatives	Marks	Ne N
Objective Question				
1	945001	Discourse analysis in historical research is associated with _____ 1. E. H. Carr 2. Michel Foucault 3. Eric Hobsbawn 4. B. F. Skinner ऐतिहासिक शोध में विमर्श (डिस्कोर्स) विश्लेषण को _____ से संबद्ध किया जाता है: 1. ई.एच.कार 2. मिशेल फूको 3. एरिक हॉब्सबॉन 4. बी.एफ. स्किनर A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
2	945002	Who launched "Modern Scientific Theory" in historical research _____ 1. L. V Ranke 2. J. D. Bury 3. Toynbee 4. Gibbon ऐतिहासिक शोध में "आधुनिक वैज्ञानिक सिद्धांत" के जनक कौन थे? 1. एल वी रांके 2. जी.डी.बरी 3. टोयेन्बी 4. गिबोन A1 1 : 1	4.0	0.0

		A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
3	945003	The collection of memories and personal commentaries of past incident is called _____ 1. Oral History 2. Local History 3. Natural History 4. National History पूर्व की घटनाओं की यादों और व्यक्तिगत टिप्पणियों के संग्रह को _____ कहा जाता है: 1. मौखिक इतिहास 2. स्थानीय इतिहास 3. प्राकृतिक इतिहास 4. राष्ट्रीय इतिहास A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
4	945004	Which of the correct sequence of steps involved in sociological investigation? 1. Formulation of problem, Planning research design, Field work, Analyzing data, Drawing conclusion. 2. Analyzing data, Planning research design, Field work, Formulation of problem, Drawing conclusion. 3. Formulation of problem, Analyzing data, Planning research design, Field work, Drawing conclusion. 4. Field work, Planning research design, Formulation of problem, Drawing conclusion, Analyzing data. सामाजिक जांच में शामिल चरणों का सही अनुक्रम क्या है? 1. समस्या का निर्धारण, शोध डिजाइन की योजना बनाना, फील्ड वर्क, डाटा विश्लेषण, निष्कर्ष निकालना 2. डाटा विश्लेषण, शोध डिजाइन की योजना बनाना, फील्ड वर्क, समस्या का निर्धारण, निष्कर्ष निकालना 3. समस्या का निर्धारण, डाटा विश्लेषण, शोध डिजाइन की योजना बनाना, फील्ड वर्क, निष्कर्ष निकालना 4. फील्ड वर्क, शोध डिजाइन की योजना बनाना, समस्या का निर्धारण, निष्कर्ष निकालना, डाटा विश्लेषण A1 1 : 1 A2 2 : 2	4.0	0.0

		2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
5	945005	Which of the sampling technique is used when the population is heterogeneous but has some common characteristics 1. Snowball sampling 2. Stratified sampling 3. Systematic sampling 4. Purposive sampling जब आबादी विषम होती है, लेकिन इसमें कुछ सामान्य विशेषताएं होती हैं, तो कौन सी नमूना तकनीक का उपयोग किया जाता है? 1. स्नोबॉल नमूनाकरण 2. एकीकृत नमूनाकरण 3. व्यवस्थित नमूना 4. सप्रयोजन नमूनाकरण A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
6	945006	Who coined the term thick description? 1. Clifford Geertz 2. Michael Foucault 3. Gilbert Ryle 4. None of the above 'थिक डिस्क्रिप्शन' शब्द किसने इजाद किया था? 1. क्लिफफोर्ड गेर्ट्ज 2. मिशेल फूको 3. गिल्बर्ट राइल 4. उपरोक्त में से कोई नहीं A1 1 : 1 A2 2 : 2	4.0	0.0

		2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
7	945007	What is qualitative research? 1. It studies numerical data 2. It focuses on respondents' emotions and opinions 3. It focuses on finding causal relationship between variables 4. All of the above गुणात्मक शोध क्या है? 1. यह संख्यात्मक डेटा का अध्ययन करता है 2. यह उत्तरदाताओं की भावनाओं और विचारों पर केंद्रित है 3. यह चरों के बीच अनियमित संबंध खोजने पर केंद्रित है 4. उपरोक्त सभी A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
8	945008	In one of the following books Clifford Geertz used the term thick description? 1. The interpretation of cultures 2. Agricultural Involution: the process of ecological change in Indonesia. 3. The Religion of Java 4. Negara: The Theatre State in Nineteenth Century Bali क्लिफ़ोर्ड गेर्ट्ज ने निम्नलिखित में से कौन सी पुस्तक में 'थिक डिस्क्रिप्शन' शब्द का उपयोग किया था? 1. द इंटरप्रेटेशन ऑफ कल्चर्स 2. एग्रीकल्चरल इनवोल्यूशन: द प्रोसेस ऑफ़ इकोलॉजिकल चेंज इन इंडोनेशिया 3. द रिलीजन ऑफ़ जावा 4. नेगारा: द थिएटर स्टेट इन नाइनटेनथ सेंचुरी बाली A1 1 : 1 A2 2 : 2	4.0	0.0

		A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
9	945009	M. N. Srinivas strongly advocated one of the following methodological practices. 1. Participant observation 2. Survey method 3. Quantitative method 4. None of the above एम.एन.श्रीनिवास ने निम्नलिखित में से कौन सी पद्धति की दृढ़ता से वकालत की थी? 1. प्रतिभागी अवलोकन 2. सर्वेक्षण विधि 3. मात्रात्मक विधि 4. उपरोक्त में से कोई नहीं A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
10	945010	What do ethnographers use in their research? 1. Observation 2. Informal or conversational interviews 3. Formal in-depth interviews 4. All of the above नृजाती वैज्ञानिक (एथनोग्राफर्स) अपने शोध में निम्नलिखित में से किसका उपयोग करते हैं? 1. अवलोकन 2. अनौपचारिक या संवादात्मक साक्षात्कार 3. औपचारिक गहन साक्षात्कार 4. उपरोक्त सभी A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3	4.0	0.0

		A4 : 4		
Objective Question				
11	945011	What is discourse analysis about? 1. Studying and analyzing the use of language 2. Functions of language in action 3. Genre analysis 4. All of the above निबंध (डिस्कोर्स) विश्लेषण क्या है? 1. भाषा के उपयोग का अध्ययन और विश्लेषण करना 2. उपयोग किये जा रहे भाषा के कार्य 3. शैली विश्लेषण 4. उपरोक्त सभी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
12	945012	Which methodology argued that individuals impart meaning to social phenomena in their everyday lives? 1. Phenomenology 2. Positivism 3. Hermeneutics 4. All of the above किस पद्धति ने यह तर्क दिया कि व्यक्ति अपने रोजमर्रा के जीवन में सामाजिक घटनाओं को अर्थ देते हैं? 1. फेनोमेनोलॉजी 2. पोज़िटिविज्म 3. हर्मैन्यूटिक्स 4. उपरोक्त सभी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.0

Objective Question				
13	945013	Features of grounded theory? 1. Cycles of simultaneous data collection and analysis 2. It tests and verifies an existing theory 3. Not based on field notes and interview transcripts 4. All of the above ग्राउंडेड सिद्धांत की विशेषताएं क्या हैं? 1. एक साथ डेटा संग्रह और विश्लेषण के चक्र 2. यह एक मौजूदा सिद्धांत का परीक्षण और सत्यापन करता है 3. फील्ड आलेखों और साक्षात्कार ट्रांसक्रिप्ट पर आधारित नहीं होता 4. उपरोक्त सभी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
14	945014	What is mixed method research? 1. Combination of both qualitative and quantitative methods in a single study 2. It does not allow combining deductive and inductive thinking 3. It is less time consuming 4. All of the above मिश्रित विधि शोध क्या है? 1. एक ही अध्ययन में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरीकों का संयोजन 2. यह निगमनात्मक और आगमनात्मक विचार के संयोजन की अनुमति नहीं देता है 3. यह कम समय लेता है 4. उपरोक्त सभी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
15	945015		4.0	0.0

		Name one of the following philosophers closely associated with hermeneutics. 1. Hans-Georg Gadamer 2. Karl Marx 3. Edmund Husserl 4. None of the above निम्नलिखित में से कौन से दार्शनिक हर्मैनेयूटिक्स के साथ निकटता से जुड़े हुए हैं? 1. हांस-जॉर्ज गाडामेर 2. कार्ल मार्क्स 3. एडमंड हुसेल 4. उपरोक्त में से कोई नहीं A1 1 : A2 2 : A3 3 : A4 4 :		
--	--	--	--	--

Objective Question

16	945016	The mobile phone penetration in India has increased manifold from 2000 to 2023 in both rural and urban areas. What kind of study should be conducted to prove this? 1. Cross sectional research 2. Longitudinal research 3. Ex-post facto research 4. Experimental Research भारत में 2000 से 2023 तक मोबाइल फोन का प्रवेश ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में कई गुना बढ़ गया है। यह साबित करने के लिए किस तरह का अध्ययन किया जाना चाहिए? 1. पारगामी वर्गीय शोध 2. अनुदैर्घ्य शोध 3. पूर्व पोस्ट फैक्टो शोध 4. प्रायोगिक शोध A1 1 : A2 2 : A3 3 : A4 4 :	4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

Objective Question

17	945017		4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

		The research which is exploring new facts through the study of past is called _____ 1. Philosophical research 2. Historical research 3. Mythological research 4. Content analysis अतीत के अध्ययन के माध्यम से नए तथ्यों की खोज करने वाले शोध को _____ कहा जाता है: 1. दार्शनिक शोध 2. ऐतिहासिक शोध 3. पौराणिक शोध 4. सामग्री विश्लेषण A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
18	945018	Books and records are the primary sources of data in which subject of research? 1. Historical research 2. Participatory research 3. Clinical research 4. Laboratory research पुस्तकें और रिकॉर्ड शोध के कौन से विषय में डेटा के प्राथमिक स्रोत हैं? 1. ऐतिहासिक शोध 2. सहभागी शोध 3. नैदानिक शोध 4. प्रयोगशाला शोध A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
19	945019		4.0	0.0

Match List-I with List-II and choose correct answer from the codes given below.

LIST I		LIST II	
A.	Historical Method	I.	Past Events
B.	Survey Method	II.	Vision
C.	Philosophical Method	III.	Present Event
D.	Experimental method	IV.	Future Action

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-III, C-II, D-IV
2. A-IV, B-II, C-III, D-I
3. A-I, B-II, C-III, D-IV
4. A-II, B-III, C-I, D-IV

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान करें और नीचे दिए गए कोड में से सही उत्तर चुनें:

सूची I		सूची II	
A.	ऐतिहासिक विधि	I.	पिछली घटनाएं
B.	सर्वेक्षण विधि	II.	अवलोकन
C.	दार्शनिक विधि	III.	वर्तमान घटनाएं
D.	प्रायोगिक विधि	IV.	भविष्य की कार्यवाई

1. A-I, B-III, C-II, D-IV
2. A-IV, B-II, C-III, D-I
3. A-I, B-II, C-III, D-IV
4. A-II, B-III, C-I, D-IV

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

20 945020

What is the position held by a positivists as far as acquiring knowledge is concerned?

1. A general positive attitude towards research
2. Scientific research should be based on value free, Empirical observation.
3. Exact knowledge can be explained b by observing cause and effect
4. None of the above.

ज्ञान अर्जन करने के संदर्भ में एक पॉसिटिविस्ट का दृष्टिकोण क्या होता है?

1. शोध के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण
2. वैज्ञानिक शोध मूल्य मुक्त, अनुभवजन्य अवलोकन पर आधारित होना चाहिए
3. सटीक ज्ञान को कारण और प्रभाव का निरीक्षण कर समझाया जा सकता है
4. उपरोक्त में से कोई नहीं

A1 1
:

1

4.0 0.0

A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

21 945021

Match List-I with List-II and choose correct answer from the codes given below.

4.0

0.0

LIST I		LIST II	
A.	Experimental	I.	Criticism
B.	Historical	II.	Control
C.	Case Study	III.	Interpretative
D.	Ethnography	IV.	Intensive

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-I, B-II, C-IV, D-III
3. A-III, B-I, C-IV, D-II
4. A-II, B-I, C-IV, D-III

सूची-I के साथ सूची-II का मिलान करें और नीचे दिए गए कोड में से सही उत्तर चुनें:

सूची I		सूची II	
A.	प्रायोगिक	I.	आलोचना
B.	ऐतिहासिक	II.	नियंत्रण
C.	केस स्टडी	III.	व्याख्यात्मक
D.	मानव-विज्ञान	IV.	गहन

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-III, C-IV, D-I
2. A-I, B-II, C-IV, D-III
3. A-III, B-I, C-IV, D-II
4. A-II, B-I, C-IV, D-III

A1 1
:
1
A2 2
:
2
A3 3
:
3
A4 4
:
4

Objective Question

22 945022

4.0

0.0

Which of the following statements are true in context of hypothesis?

- A. A hypothesis is tentative statement made that need logical and empirical conformation.
- B. A hypothesis can be formulated as proposition or set of propositions providing most probable explanation for concurrence of some event or specified phenomena.
- C. A hypothesis must, therefore, be capable of being tested, either accepted or rejected.
- D. A hypothesis should be stated in terms of a relationship between the dependent and independent variable.

- 1. A and B only
- 2. B and C only
- 3. A, B and C only
- 4. A, B, C and D

निम्नलिखित में से कौन से कथन परिकल्पना के संदर्भ में सत्य हैं?

- A. एक परिकल्पना अंतरिम कथन होती है, जिसे तार्किक और अनुभवजन्य अनुरूपण की आवश्यकता होती है।
- B. एक परिकल्पना को किसी घटना या निर्दिष्ट घटनाओं की सहमति के लिए सबसे संभावित स्पष्टीकरण प्रदान करने वाले प्रस्ताव या प्रस्ताव के समूह के रूप में निर्धारित किया जा सकता है।
- C. इसलिए, एक परिकल्पना को परीक्षण के लिए सक्षम होना चाहिए, बशर्ते उसे स्वीकार या अस्वीकार कर दिया जाए।
- D. एक परिकल्पना को निर्भर और स्वतंत्र चर के बीच के संबंध के रूप में व्यक्त किया जाना चाहिए।

- 1. केवल A और B
- 2. केवल B और C
- 3. केवल A, B और C
- 4. A, B, C और D

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

23 945023

Match List I with List II

LIST I Research concept		LIST II Descriptions	
A.	Hypothesis	I.	It is a statistical test that does not make assumptions about the parameters
B.	Sampling	II.	Device using which data are collected in the research
C.	Research tools	III.	A subset drawn from a larger set to represent it
D.	Nonparametric tests	IV.	A tentative statement indicating the relationship between two or more variables

Choose the correct answer from the options given below:

- 1. A-IV ,B-III ,C-II ,D-I
- 2. A-II ,B-III ,C- I,D-IV
- 3. A-IV ,B-I ,C-III ,D-II
- 4. A-II ,B-I ,C- IV,D-III

4.0 0.0

सूची I का सूची II से मिलान करें

सूची I शोध अवधारणा	सूची II विवरण
A. परिकल्पना	I. यह एक सांख्यिकीय परीक्षण है जिसमें मानकों के बारे में पूर्वानुमान नहीं लगाया जाता है
B. नमूनाकरण	II. यंत्र, जिनके माध्यम से शोध में डेटा एकत्रित किया जाता है
C. शोध उपकरण	III. एक बड़े समूह के प्रतिनिधित्व हेतु उससे लिया गया उप-समूह
D. गैर-प्राचलिक परीक्षण	IV. एक प्रारंभिक कथन जो दो या इससे अधिक चरों के बीच संबंध का सूचक होता है

नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित उत्तर चुनें :

1. A-IV ,B-III ,C-II ,D-I
2. A-II ,B-III ,C- I,D-IV
3. A-IV ,B-I ,C-III ,D-II
4. A-II ,B-I ,C- IV,D-III

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

24	945024	What is an open-ended question? 1. Encourages respondents to go beyond merely a yes or no response 2. Restricts respondents to give only a yes or no response 3. Respondents have to choose their responses from pre-defined answers. 4. None of the above एक अनिर्णित-परिणाम (ओपन-एंडेड) प्रश्न क्या होता है? 1. उत्तरदाताओं को केवल हाँ या ना से आगे कोई प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित करता है 2. उत्तरदाताओं को केवल हाँ या ना में जवाब देने तक सीमित करता है 3. उत्तरदाताओं को पूर्व-निर्धारित उत्तरों से अपनी प्रतिक्रियाओं का चयन करना पड़ता है 4. उपरोक्त में से कोई नहीं A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

Objective Question				
25	945025	What is a research design? 1. A blue print of a scientific study 2. The plan or framework constructed to conduct a research study. 3. The framework involving research methods and techniques utilized by a researcher to conduct a study. 4. All of the above शोध डिजाइन क्या है? 1. एक वैज्ञानिक अध्ययन का ब्लू प्रिंट 2. एक शोध अध्ययन के लिए तैयार की गयी योजना या ढांचा 3. एक अध्ययन करने के लिए शोधकर्ता द्वारा उपयोग की जाने वाली शोध विधियों और तकनीकों से युक्त ढांचा 4. उपरोक्त सभी A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0

Objective Question				
26	945026	Who is credited with establishing the field of ethnographic research? 1. Bronislaw Malinowski 2. M. N. Srinivas 3. G. S. Ghurye 4. Karl Popper निम्नलिखित में से किसे मानव-विज्ञानी शोध क्षेत्र की स्थापना का श्रेय दिया जाता है? 1. ब्रोनिसलाव मलिनोव्स्की 2. एम.एन.श्रीनिवास 3. जी.एस.घुर्ये 4. कार्ल पॉपर A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0

Objective Question				
27	945027		4.0	0.0

		Who said the following that 'The condition for a sound development of Sociology of India is found in the establishment of the proper relation between it and classical Indology'? 1. Louis Dumont 2. G. S. Ghurye 3. D. P. Mukherjee 4. None of the above निम्नलिखित में से किसने यह कहा है कि "भारत में समाजशास्त्र के समग्र विकास के लिए आवश्यक शर्त को समाजशास्त्र और शस्त्रीय इंडोलॉजी के बीच संबंधों की स्थापना में तलाशा जा सकता है." ? 1. लुई डुमोंट 2. जी.एस.घुर्ये 3. डी.पी.मुखर्जी 4. उपरोक्त में से कोई नहीं A1 1 : A2 2 : A3 3 : A4 4 :		
Objective Question				
28	945028	Street Corner Society is an ethnography written by one of the following sociologists. 1. William Foote Whyte 2. Louis Wirth 3. Robert Park 4. None of the above स्ट्रीट कॉर्नर सोसाइटी नामक मानवजाति-वर्णन निम्नलिखित में से किस समाजशास्त्री द्वारा लिखा गया है? 1. विलियम फुट व्हाइट 2. लुई विर्थ 3. रॉबर्ट पार्क 4. उपरोक्त में से कोई नहीं A1 1 : A2 2 : A3 3 : A4 4 :	4.0	0.0
Objective Question				
29	945029		4.0	0.0

		One of the sociologists shown below coined the term field view to study Indian society? 1. M. N. Srinivas 2. G. S. Ghurye 3. T. N. Madan 4. Veena Das निम्नलिखित समाजशास्त्रियों में से एक ने भारतीय समाज का अध्ययन करने के लिए 'फील्ड व्यू' शब्द इजाद किया था: 1. एम.एन.श्रीनिवास 2. जी.एस.घुर्ये 3. टी.एन. मदन 4. वीणा दास A1 1 : A2 2 : A3 3 : A4 4 :		
Objective Question				
30	945030	The Baiga was written by one of the following anthropologists. 1. Verrier Elwin 2. Surajit Sinha 3. Irawati Karve 4. None of the above निम्नलिखित मानवविज्ञानियों में से किसने द बैगा की रचना की थी? 1. वेरिअर एलविन 2. सुरोजीत सिन्हा 3. इरावती कर्वे 4. उपरोक्त में से कोई नहीं A1 1 : A2 2 : A3 3 : A4 4 :	4.0	0.0
Objective Question				
31	945031		4.0	0.0

		Which anthropologist shown below wrote the book, Homo Hierarchicus which was based on indological and ethnographic approaches? 1. Marcel Mauss 2. Louis Dumont 3. G. S. Ghurye 4. Verrier Elwin निम्नलिखित में से कौन से मानवविज्ञानी ने <i>होमो हार्चरिकस</i> पुस्तक लिखी थी, जो इंडोलॉजिकल और जातीय दृष्टिकोण पर आधारित थी? 1. मार्सेल माउस 2. लुई डुमोंट 3. जी.एस.घुर्ये 4. वेरिअर एलविन A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
32	945032	Ethnomethodology studies: 1. Practical knowledge and lived experiences ordinary people employ in their everyday activities. 2. Conversation analysis 3. The manner in which social order is constructed in and through various processes of social interaction. 4. All of the above मानव-विज्ञान पद्धति (एथनोमैथोडोलॉजी) कौन सा अध्ययन है? 1. व्यावहारिक ज्ञान और निजी अनुभव, जो आम लोग अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों में उपयोग करते हैं 2. संवाद विश्लेषण 3. सामाजिक संवाद की विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से सामाजिक व्यवस्था के निर्माण की प्रक्रिया 4. उपरोक्त सभी A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
33	945033		4.0	0.0

The criterion in research that states that the researcher must notify respondents about the objective of the research, as well as any potential risks associated, is referred to as:

1. Confidentiality
2. Informed consent
3. Coercion
4. Concealment

शोध का वह मानदंड, जिसमें कहा जाता है कि शोधकर्ता को उत्तरदाताओं को शोध के उद्देश्य और साथ ही किसी भी संभावित जोखिम के बारे में सूचित करना चाहिए, किस रूप में संदर्भित किया जाता है?

1. गोपनीयता
2. सूचित सहमति
3. अवपीड़न
4. संगोपन

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

34	945034	How is a work identified to have idea plagiarism? 1. It involves plagiarizing the idea while paraphrasing the text 2. It includes paraphrasing the idea and claiming it as original 3. Taking another person's idea without giving proper credit 4. All of the above किसी काम को कब वैचारिक साहित्यिक चोरी के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जाता है? 1. जब पाठ को सारांशित करने के दौरान मूल विचार को चुराया जाता है 2. जब मूल विचार को सारांशित कर उसे अपना बताया जाता है 3. उचित क्रेडिट न देते हुए किसी अन्य का विचार चोरी करना 4. उपरोक्त सभी A1 : 1 A2 : 2 A3 : 3 A4 : 4	4.0	0.0
----	--------	---	-----	-----

Objective Question

35	945035		4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Principle of Non-maleficence	I.	Benefits and risks of research should be fairly distributed among people.
B.	Principle of Autonomy	II.	Research must not cause harm to the participants in particular and to the people in general.
C.	Principle of Justice	III.	Research must respect and protect the rights and dignity of participants.
D.	Principle of Beneficence	IV.	Research should also make a positive contribution towards the welfare of people.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-I, B-III, C-IV, D-II
2. A-I, B-II, C-IV, D-III
3. A-III, B-I, C-IV, D-II
4. A-II, B-III, C-I, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	गैर-अहितकारी सिद्धांत	I.	शोध के लाभ और जोखिम को लोगों के बीच समान रूप से वितरित किया जाना चाहिए
B.	स्वायत्तता का सिद्धांत	II.	शोध में प्रतिभागियों को विशेष रूप से, और सामान्य रूप से लोगों को, नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए
C.	न्याय का सिद्धांत	III.	शोध को प्रतिभागियों के अधिकारों और गरिमा का सम्मान करना चाहिए
D.	परोपकारिता का सिद्धांत	IV.	शोध को लोगों के कल्याण के लिए भी सकारात्मक योगदान देना चाहिए

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-I, B-III, C-IV, D-II
2. A-I, B-II, C-IV, D-III
3. A-III, B-I, C-IV, D-II
4. A-II, B-III, C-I, D-IV

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

36 945036

4.0

0.0

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Fabrication	I.	Experiments are performed but the outcome of the experimentation is manipulated
B.	Plagiarism	II.	Appropriation of another person's ideas, processes, results or words without giving appropriate credit where it is due
C.	Self-plagiarism	III.	Verbatim copying of one's own research
D.	Falsification	IV.	Not based on the actual authentic data

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-III, C-IV, D-I

2. A-I, B-II, C-IV, D-III

3. A-III, B-I, C-IV, D-II

4. A-IV, B-II, C-III, D-I

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	गढ़न	I.	प्रयोग किया जाता है, लेकिन प्रयोग के परिणाम में हेरफेर किया जाता है
B.	साहित्य-चोरी	II.	बिना उचित क्रेडिट दिए किसी अन्य व्यक्ति के विचारों, प्रक्रियाओं, परिणामों या शब्दों को अपना लेना
C.	आत्म-साहित्य-चोरी	III.	शब्दशः अपने ही शोध की नकल करना
D.	जालसाज़ी	IV.	वास्तविक प्रामाणिक डेटा पर आधारित न होना

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-III, C-IV, D-I

2. A-I, B-II, C-IV, D-III

3. A-III, B-I, C-IV, D-II

4. A-IV, B-II, C-III, D-I

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

37 945037

4.0

0.0

Match List I with List II

LIST I		LIST II	
A.	Cloned Journals	I.	Very similar manuscripts based on the same experiment
B.	Crony publishing	II.	Editorial misconduct by editors and their associate reviewers across a majority of the issues of the periodical
C.	Redundant Publication	III.	Online dubious version with same ISSN and name
D.	Predatory Journals	IV.	Encourages Publish or Perish or Pay and Publish model

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-II, B-III, C-IV, D-I

2. A-I, B-II, C-IV, D-III

3. A-III, B-I, C-IV, D-II

4. A-III, B-II, C-I, D-IV

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I		सूची II	
A.	क्लोन जर्नल	I.	समान प्रयोग के आधार पर समान पांडुलिपियां
B.	क्रोनी प्रकाशन	II.	संपादकीय और उनके सहयोगी समीक्षकों द्वारा अधिकांश आवधिक मुद्दों में संपादकीय दुर्व्यवहार
C.	अनावश्यक प्रकाशन	III.	समान ISSN और नाम के साथ संदिग्ध ऑनलाइन संस्करण
D.	लुंठक जर्नल	IV.	प्रकाशन या विलुप्ति या भुगतान और प्रकाशन मॉडल को प्रोत्साहित करता है

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-II, B-III, C-IV, D-I

2. A-I, B-II, C-IV, D-III

3. A-III, B-I, C-IV, D-II

4. A-III, B-II, C-I, D-IV

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

38 945038

In which method, the entire populations are inferred based on the observations made on a small part

1. Inductive inference

2. Objective inference

3. Pseudo-inference

4. Deductive inference

4.0

0.0

		कौन सी पद्धति में पूरी आबादी का एक छोटे से हिस्से पर किए गए अवलोकन के आधार पर अनुमान लगाया जाता है? 1. आगमनात्मक अनुमान 2. वस्तुनिष्ठ अनुमान 3. छद्म-अनुमान 4. निगमनात्मक अनुमान A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
39	945039	Who coined the word Patchwriting, in the context of Plagiarism ? 1. David Emile Durkheim 2. Rebecca Moore Howard 3. Dubbing Tocqueville 4. John Dewey साहित्यिक चोरी के संदर्भ में निम्नलिखित में से किसने 'पैचराइटिंग' शब्द इजाद किया था? 1. डेविड एमिल दुरखीम 2. रेबेका मूर हावर्ड 3. डबिंग टोक्यूविल 4. जॉन डेवी A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
40	945040	In case of plagiarism above 40%-60% what is the penalty for during thesis submission and dissertation : 1. Such students shall be debarred from submitting a revised manuscript for a period of one year 2. Such a student shall be asked to submit a revised manuscript in 6 months 3. The registration of the student shall be cancelled 4. There is no penalty in this case	4.0	0.0

		40%-60% से अधिक साहित्यिक चोरी के मामले में शोध-निबंध (थीसिस) जमा करने के दौरान किस तरह से दंड दिया जाता है? 1. ऐसे छात्रों को एक साल की अवधि के लिए संशोधित पांडुलिपि जमा करने से वर्जित कर दिया जाएगा 2. ऐसे छात्रों को 6 महीने में संशोधित पांडुलिपि जमा करने के लिए कहा जाएगा 3. छात्र का पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा 4. इस मामले में कोई दंड नहीं है A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
41	945041	In statistical hypothesis testing, Type I error refers to 1. Rejecting the null hypothesis when it is true 2. Accepting the null hypothesis when it is false 3. Rejecting the null hypothesis when it is false 4. Accepting the null hypothesis when it is true सांख्यिकीय परिकल्पना परीक्षण में टाइप-I किस त्रुटि को संदर्भित करता है? 1. सत्य साबित होने पर शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करना 2. असत्य साबित होने पर शून्य परिकल्पना को स्वीकार करना 3. सत्य साबित होने पर शून्य परिकल्पना को स्वीकार करना 4. सत्य साबित होने पर शून्य परिकल्पना को स्वीकार करना A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
42	945042	Which is the primary objective of the Information and Library Network (INFLIBNET) centre ? 1. To connect all universities and research Institutions in India 2. To provide access to online journals and books 3. To digitize all library materials in India 4. To Provide a platform for online education and distance learning	4.0	0.0

		सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र (INFLIBNET) का प्रमुख उद्देश्य क्या है? 1. भारत के सभी विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को एक-दूसरे से जोड़ना 2. ऑनलाइन जर्नल और पुस्तकों को उपलब्ध कराना 3. भारत में समग्र पुस्तकालय सामग्री को डिजीटाईज़ करना 4. ऑनलाइन शिक्षा और डिस्टेंस लर्निंग के लिए मंच उपलब्ध कराना A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
43	945043	Irrespective of the nature of original distribution, as the sample size increases, the mean value of the particular variable follows a normal distribution, this result is due to 1. Central Limit Theorem 2. Frisch-Waugh-Lowell Theorem 3. Law of Large numbers 4. Probability Theory मूल वितरण की प्रकृति से इतर, नमूना आकार बढ़ने के साथ विशेष चर का औसत मूल्य सामान्य वितरण का अनुसरण करता है। इस परिणाम का क्या कारण होता है? 1. केंद्रीय सीमा प्रमेय 2. फ्रिश-वॉघ-लोवेल प्रमेय 3. बड़े अंकों का नियम 4. प्रायिकता सिद्धांत A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
44	945044	An economy growing at 8% per annum will double its income in 1. 9 years 2. 11 years 3. 12 years 4. 8 years	4.0	0.0

		प्रति वर्ष 8% से बढ़ रही अर्थव्यवस्था अपनी आय को कितने समय में दोगुना कर पाएगी? 9 साल 11 साल 12 साल 8 साल A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
--	--	---	--	--

Objective Question

45	945045	Suppose 6 workers and 18 units of capital produce 10 chairs. Further, if 12 workers and 36 units of capital produce 24 chairs. It can be inferred that - There is increasing returns to scale in production - There is decreasing returns to scale in production - There is constant returns to scale in production - Nothing can be said with certainty 6 श्रमिक और पूंजी की 18 इकाईयां 10 कुर्सियों का उत्पादन करती है। इसके अलावा, अगर 12 कार्यकर्ता और पूंजी की 36 इकाईयां 24 कुर्सियों का उत्पादन करती हैं, तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि: - उत्पादन में स्केल पर रिटर्न बढ़ रहा है - उत्पादन में स्केल पर रिटर्न घट रहा है - उत्पादन में स्केल पर निरंतर रिटर्न मिल रहा है - निश्चितता के साथ कुछ भी नहीं कहा जा सकता A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

Objective Question

46	945046		4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

If simple regression coefficient of Y on X_1 equals the slope coefficient of X_1 in the multiple regression of Y on X_1 and X_2 then

1. Regressors X_1 and X_2 are orthogonal
2. Regressors X_1 and X_2 are perfectly collinear
3. Regressors X_1 and X_2 are collinear
4. Regressors X_1 and X_2 are neither orthogonal nor perfectly collinear

यदि X_1 पर Y का सरल प्रतिगमन गुणांक X_1 और X_2 पर Y के एकाधिक प्रतिगमन में X_1 के ढलान गुणांक के बराबर है, तो:

1. प्रतिगमन X_1 और X_2 लम्बकोणीय हैं
2. प्रतिगमन X_1 और X_2 पूर्णतः एकरेखस्थ हैं
3. प्रतिगमन X_1 और X_2 एकरेखस्थ हैं
4. प्रतिगमन X_1 और X_2 न लम्बकोणीय हैं और न ही एकरेखस्थ हैं

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

47	945047	Which of the following p-values will lead us to reject the null hypothesis if the significance level of the test is 1%? 1. 0.001 2. 0.5 3. 0.1 4. 0.05 यदि परीक्षण का महत्व स्तर 1% है, तो निम्नलिखित में से कौन-सी पी-वैल्यू हमें शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करने के लिए प्रेरित करेगी? 1. 0.001 2. 0.5 3. 0.1 4. 0.05 A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

Objective Question				
48	945048	Consider the following regression line: $Y = 25 - 10x_1 - 5x_2$. If the t-statistic on the slope coefficient x_1 is -2; what is the standard error of the slope coefficient? 1. 5 2. 4 3. 3 4. 2 निम्नलिखित प्रतिगमन रेखा पर विचार करें: $Y = 25 - 10x_1 - 5x_2$। यदि x_1 ढलान गुणांक पर टी-सांख्यिकीय -2 है; तो ढलान गुणांक की मानक त्रुटि क्या होगी? 1. 5 2. 4 3. 3 4. 2 A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
49	945049	What kind of a question is called "probing"? 1. One that asks about a delicate or extremely private matter 2. One that encourages the interviewee to say more about a topic 3. One that asks indirectly about people's opinions 4. One that moves the conversation on to another topic किस तरह के प्रश्न को "प्रोबिंग" कहा जाता है? 1. जो एक नाजुक या अत्यंत निजी मामले के बारे में सवाल करता है 2. जो साक्षात्कारकर्ता को एक विषय के बारे में अधिक कहने के लिए प्रोत्साहित करता है 3. जो लोगों की राय के बारे में अप्रत्यक्ष रूप से पूछता है 4. जो किसी अन्य विषय पर बातचीत करता है A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				

50	945050	Which of the following options is not utilized for the purpose of verifying plagiarism? 1. Turnitin 2. Urkund 3. EasyBib 4. iThenticate निम्नलिखित में से किसका उपयोग साहित्यिक-चोरी के सत्यापन के लिए नहीं किया जाता है? 1. टर्नइटिन 2. उरकुंड 3. ईजीबिब 4. आईथेंटिकेट A1 1 : A2 2 : A3 3 : A4 4 :	4.0	0.0
----	--------	---	-----	-----

Objective Question

51	945051	A price floor that is set below the equilibrium market price will 1. Lead to shortage 2. Lead to surplus 3. Have no impact 4. Indeterminate impact समतल बाज़ार मूल्य से नीचे निर्धारित किये गए एक 'प्राइज़ फ्लोर' के कारणवश: 1. कमी आएगी 2. अधिशेष में वृद्धि होगी 3. कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा 4. अनिश्चित प्रभाव पड़ेगा A1 1 : A2 2 : A3 3 : A4 4 :	4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

Objective Question

52	945052		4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

		Under certain conditions, Laffer curve predicts that lower of marginal tax rates can 1. Increase tax revenues 2. Always decrease tax revenues 3. Keep tax revenues same 4. Cannot be determined for sure कुछ शर्तों के अंतर्गत लाफ़र वक्र यह अनुमान लगाता है कि सीमांत कर दरों में कमी से: 1. कर राजस्व में वृद्धि हो सकती है 2. कर राजस्व में सदैव कमी आती है 3. कर राजस्व समान रहते हैं 4. इसे निर्धारित नहीं किया जा सकता A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
53	945053	According to Ricardian theory of rent, rent arises due to 1. Niggardliness of nature 2. Ownership rights of the landlords 3. Scarcity of labour 4. Contribution of landlords to nature किराए से संबद्ध रिकार्डियन सिद्धांत के अनुसार, किराए की उत्पत्ति किस कारण होती है? 1. प्रकृति की मितव्ययिता 2. मालिक के स्वामित्व अधिकार 3. श्रम की कमी 4. मकान मालिकों का प्रकृति के प्रति योगदान A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
54	945054		4.0	0.0

		In an one good economy 1. There is one good which serves both consumption and investment 2. There is one consumption good 3. There is one capital good 4. There is no labour एक एकाकी वस्तु अर्थव्यवस्था (वन गुड इकॉनमी) में- 1. एक वस्तु उपभोग और निवेश दोनों को पूरा करती है 2. एक उपभोग वस्तु होती है 3. एक पूंजी वस्तु होती है 4. कोई श्रम नहीं होता है A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
55	945055	Which of the following charecterises neoclassical economics 1. All the alternatives 2. Methodological individualism 3. Maximization method 4. The idea of Homo economicus निम्नलिखित में से कौन सी नवशास्त्रीय अर्थशास्त्र की विशेषताएं हैं? 1. सभी विकल्प 2. पद्धतिगत व्यक्तिवाद 3. अधिकतम विधि 4. होमो अर्थशास्त्र का विचार A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
56	945056		4.0	0.0

		For Keynes in General Theory, employment is determined by 1. Product market equilibrium 2. Quantity theory of money 3. Natural rate of unemployment 4. Intersection of labour demand and labour supply 'जनरल थ्योरी' में कीन्स निम्नलिखित में से किसके द्वारा रोजगार को निर्धारित करते हैं? 1. उत्पाद बाजार समत्व 2. पैसे का मात्रा सिद्धांत 3. बेरोजगारी की प्राकृतिक दर 4. श्रम की मांग और श्रम आपूर्ति का अवरोधन A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
57	945057	Model of late-comer development is given by 1. Alexander Greschenkron 2. Arthur Lewis 3. Ragnar Nurkse 4. Albert Hirschman 'लेट-कमर डेवलपमेंट' मॉडल के जनक हैं: 1. अलेक्जेंडर ग्रेशेन्क्रोन 2. आर्थर लुईस 3. रागनार नर्कसे 4. अल्बर्ट हिर्श्मैन A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
58	945058		4.0	0.0

		Model of unbalanced growth is given by 1. Albert Hirschman 2. Arthur Lewis 3. Ragnar Nurkse 4. Amartya Sen असंतुलित विकास ('अनबैलेंस्ड ग्रोथ') मॉडल के जनक हैं: 1. अल्बर्ट हिर्श्मैन 2. आर्थर लुईस 3. रागनार नर्कसे 4. अमर्त्या सेन A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
59	945059	Which of the following is not true for competitive market allocation? 1. It is pareto optimal in presence of an externality in consumption and absence of externality in production 2. It is pareto optimal in presence of positive externality in production 3. It is pareto optimal in presence of positive externality in consumption and production 4. It is pareto optimal in absence of externality in consumption and production निम्नलिखित में से कौन प्रतिस्पर्धी बाजार आवंटन के संदर्भ में सत्य नहीं है? 1. यह उपभोग में बाह्यता की उपस्थिति और उत्पादन में बाह्यता की अनुपस्थिति में परेटो दक्ष होता है 2. यह उत्पादन में सकारात्मक बाह्यता की उपस्थिति में परेटो दक्ष होता है 3. यह उपभोग और उत्पादन में सकारात्मक बाह्यता की उपस्थिति में परेटो दक्ष होता है 4. यह उपभोग और उत्पादन में बाह्यता की अनुपस्थिति में परेटो दक्ष होता है A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
60	945060		4.0	0.0

		Natural rate of unemployment is the 1. Sum of frictional unemployment and structural unemployment 2. Sum of cyclical unemployment and structural unemployment 3. Sum of frictional unemployment and cyclical unemployment 4. Ratio of frictional unemployment rate to cyclical unemployment rate बेरोजगारी की प्राकृतिक दर है- 1. घर्षण बेरोजगारी और संरचनात्मक बेरोजगारी का योग 2. चक्रीय बेरोजगारी और संरचनात्मक बेरोजगारी का योग 3. घर्षण बेरोजगारी और चक्रीय बेरोजगारी का योग 4. घर्षण बेरोजगारी दर का चक्रीय बेरोजगारी दर से अनुपात A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
61	945061	Which of the following is an example of expansionary fiscal policy? 1. Purchase of government securities in the open market 2. Decrease in welfare payments 3. Decrease in bank rate 4. Decrease in corporate profits tax rate निम्नलिखित में से कौन सा विस्तारवादी वित्तीय नीति का एक उदाहरण है? 1. खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद 2. कल्याणकारी भुगतान में कमी 3. बैंक दर में कमी 4. कॉर्पोरेट लाभ कर दर में कमी A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
62	945062		4.0	0.0

		Okun's law is a relationship between 1. GDP growth and change in unemployment 2. Income and inflation 3. Employment and unemployment 4. Quantity and price ओकुन नियम (लॉ) किसके बीच का संबंध है? 1. जीडीपी वृद्धि और बेरोजगारी में परिवर्तन 2. आय और मुद्रास्फीति 3. रोजगार और बेरोजगारी 4. मात्रा और मूल्य A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
63	945063	Assume that the consumption basket of a utility maximizing consumer consists of only two goods: q_1 and q_2. Assume further that she spends a quarter of her income on good q_1 and the income elasticity of demand for good q_1 is 0.25. What is the income elasticity of demand for good q_2? 1. 1.25 2. 1 3. 1.75 4. 1.5 कल्पना कीजिये कि एक अधिकतम उपयोगिता वाले उपभोक्ता की खपत टोकरी में केवल दो सामान हैं: q_1 और q_2। मान लेते हैं कि वह अपनी आय का एक चौथाई q_1 पर खर्च करती है और q_1 की मांग की आय प्रत्यस्थता 0.25 है। q_2 की मांग की आय प्रत्यस्थता क्या होगी ? 1. 1.25 2. 1 3. 1.75 4. 1.5 A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
64	945064		4.0	0.0

		Agriculture price policy in India is meant to 1. Maintaining price stability through necessary procurement and distribution of food grains 2. Provide incentives to the consumers 3. Promote industrial development 4. Improve employment in agriculture भारत में कृषि मूल्य नीति का उद्देश्य है: 1. खाद्यान्नों की आवश्यक खरीद और वितरण के माध्यम से मूल्य स्थिरता को बनाए रखना 2. उपभोक्ताओं को उद्दीपक प्रदान करना 3. औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना 4. कृषि में रोजगार में सुधार करना A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
65	945065	Labour force participation rate is defined as 1. [(number of employed persons+number of unemployed persons)/total population] x 100 2. (number of employed persons/total population) x 100 3. (number of unemployed persons/total population) x 100 4. None of the alternatives are correct श्रम बल भागीदारी दर को निम्नलिखित में से किस के अनुसार परिभाषित किया गया है? 1. [(नियोजित व्यक्तियों की संख्या+ बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या)/कुल आबादी] x 100 2. (नियोजित व्यक्तियों की संख्या/ कुल आबादी) x 100 3. (बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या/ कुल आबादी) x 100 4. कोई भी विकल्प सही नहीं है A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
66	945066		4.0	0.0

		According to the current daily activity status of the NSSO, a person is considered working for the full day, if he/she worked for 1. 4 hours or more during the day 2. 8 hours or more during the day 3. 24 hours during the day 4. 12 hours or more during एनएसएसओ की वर्तमान दैनिक गतिविधि स्थिति के अनुसार, एक व्यक्ति के कार्य करने की अवधि को एक पूर्ण दिन माना जाता है, जब वो- 1. दिन में 4 घंटे या उससे अधिक कार्य करते हैं 2. दिन में 8 घंटे या उससे अधिक कार्य करते हैं 3. दिन में 24 घंटे कार्य करते हैं 4. दिन में 12 घंटे कार्य करते हैं A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
67	945067	Reverse Repo rate is 1. Rate at which RBI borrows money 2. Rate at which RBI lends money 3. Rate at which commercial banks lend money 4. Rate at which commercial banks borrow money प्रतिवर्ती रेपो दर क्या है? 1. वह दर, जिस पर आरबीआई पैसे उधार लेता है 2. वह दर, जिस पर आरबीआई पैसे उधार देता है 3. वह दर, जिस पर वाणिज्यिक बैंक पैसे उधार देते हैं 4. वह दर, जिस पर वाणिज्यिक बैंक पैसे उधार लेते हैं A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
68	945068		4.0	0.0

		Which of the following is the main source of health financing in India 1. Out-of-pocket expenditure 2. Public expenditure 3. Social Health Insurance Plans 4. None of the alternatives are correct निम्नलिखित में से कौन भारत में स्वास्थ्य वित्तपोषण का मुख्य स्रोत है? 1. आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय 2. सार्वजनिक व्यय 3. सामाजिक स्वास्थ्य बीमा योजना 4. कोई भी विकल्प सही नहीं हैं A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
69	945069	In the classical model, the aggregate supply curve is 1. Vertical in the Quantity-Price plane 2. Vertical in the Quantity-rate of interest plane 3. Horizontal in the Quantity-rate of interest plane 4. Upward rising in the Quantity-rate of interest plane शास्त्रीय मॉडल में कुल आपूर्ति वक्र क्या होता है? 1. मात्रा-मूल्य प्लेन में लम्ब 2. ब्याज प्लेन में मात्रा-दर में लम्ब 3. ब्याज प्लेन में मात्रा-दर में क्षैतिज 4. ब्याज प्लेन में मात्रा-दर में ऊपर की ओर अग्रसर A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
70	945070		4.0	0.0

		For a small open economy, with fixed exchange rate and perfect capital mobility 1. Fiscal policy is effective 2. Fiscal policy is ineffective 3. Monetary policy is effective 4. Both Fiscal policy and Monetary policy is effective एक छोटी खुली अर्थव्यवस्था के लिए, निश्चित विनिमय दर और सही उपयुक्त गतिशीलता के साथ- 1. वित्तीय नीति प्रभावी है 2. वित्तीय नीति अप्रभावी है 3. मौद्रिक नीति प्रभावी है 4. दोनों वित्तीय नीति और मौद्रिक नीति प्रभावी हैं A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
71	945071	Along the income offer curve 1. Prices is held constant 2. Income are held constant 3. Quantity of output is held to be constant 4. None of the alternatives are correct आय प्रस्ताव वक्र में: 1. कीमतें स्थिर रहती हैं 2. आय स्थिर रहती है 3. उत्पादन की मात्रा स्थिर रखी जाती है 4. कोई भी विकल्प सही नहीं हैं A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
72	945072		4.0	0.0

In consumer demand theory, if prices of both goods, in a two good world, increase by 10% and money income increase by 15% – what will happen to the budget constraint:

1. Shift up
2. Shift down
3. Remain unchanged
4. Change in slope

उपभोक्ता मांग सिद्धांत में, यदि एक 'टू गुड वर्ल्ड' में दो वस्तुओं की कीमतें 10% बढ़ जाती हैं और धन आय 15% बढ़ जाती है, तो बजट अभिवृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

1. ऊपर स्थानांतरित होगा
2. नीचे स्थानांतरित होगा
3. कोई बदलाव नहीं आएगा
4. ढलान (स्लोप) में परिवर्तन होगा

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

73	945073	The book The Making of the Cybertariat: Virtual Work in a Real World, has been authored by: 1. Ursula Huws 2. Christian Fuchs 3. Guy Standing 4. Trebor Scholtz पुस्तक 'द मेकिंग ऑफ़ द साइबरटेरिएट: वर्चुअल वर्क इन अ रियल वर्ल्ड' किसके द्वारा लिखी गयी है? 1. उर्सुला हुव्स 2. क्रिस्टियन फुक्स 3. गाय स्टैंडिंग 4. ट्रेबोर शोल्डज़	4.0	0.0
		A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		

Objective Question

74	945074		4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

		The book <i>Historians Craft</i> has been authored by: 1. Ferdinand Braudel 2. R. G. Collingwood 3. E. H. Carr 4. Marc Bloch पुस्तक 'हिस्टोरियंस क्राफ्ट' के लेखक कौन हैं? 1. फर्डिनांड ब्रौडेल 2. आर.जी. कॉलिंगवुड 3. ई.एच. कार 4. मार्क ब्लोच A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
75	945075	Which of these theories does not use the notion of 'class contradictions' to analyse the process of exploitation in a society: 1. Historical materialism 2. Dialectical materialism 3. Intersectionality 4. Caste discrimination इनमें से कौन-सा सिद्धांत समाज में शोषण की प्रक्रिया का विश्लेषण करने के लिए 'वर्ग विरोधाभास' की धारणा का उपयोग नहीं करता है? 1. ऐतिहासिक भौतिकवाद 2. द्वैतात्मक भौतिकवाद 3. प्रतिच्छेदन 4. जातिगत भेदभाव A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
76	945076		4.0	0.0

		The term 'Relative Surplus Population' refers to: 1. Overpopulation in a particular area. 2. Unemployment in a particular area. 3. Temporary labour mobility to a particular region. 4. Labour reserves in the economy. 'सापेक्ष अधिशेष जनसंख्या' निम्नलिखित में से किसे संदर्भित करता है? 1. किसी विशेष क्षेत्र में अत्यधिक आबादी 2. किसी विशेष क्षेत्र में बेरोजगारी 3. किसी विशेष क्षेत्र में अस्थायी श्रम गतिशीलता 4. अर्थव्यवस्था में श्रम भंडार A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
77	945077	Which of these categories of workers may not be classed as 'dependent contractors' by ILO: 1. Hairdressers 2. Sub-contracted home-based workers 3. Own account workers 4. Independent drivers in a gig economy इन श्रेणियों में से कौन से श्रमिकों को आईएलओ द्वारा 'निर्भर ठेकेदार' के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है? 1. हेयरड्रेसर 2. उप-संविदा घरेलू कार्यकर्ता 3. अपने खाताधारक 4. एक गिग अर्थव्यवस्था में स्वतंत्र ड्राइवर A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
78	945078		4.0	0.0

		One of the co-authors of the classic text "<i>The Power of Women and the Subversion of the Community</i>" is: 1. Lise Vogel 2. Mariarosa Dalla Costa 3. Nancy Fraser 4. Silvia Federici प्रतिष्ठित पुस्तक "<i>द पावर ऑफ़ वीमेन एंड द सबवर्ज़न ऑफ़ द कम्युनिटी</i>" के सह-लेखक कौन हैं? 1. लिज़ वोगेल 2. मारियारोसा डैला कोस्टा 3. नैन्सी फ्रेज़र 4. सिल्विया फेडेरिकी A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
79	945079	"The economic basis for the complete withering away of the state is such a high state of development of communism". This statement by V.I Lenin in <i>State and Revolution</i>, refers to: 1. The dictatorship of the proletariat. 2. The development of Soviets 3. The disappearance of division between mental and physical labour. 4. The profit received from exploitation of labour "राज्य के पूर्ण विभेदन के लिए आर्थिक आधार साम्यवाद के विकास की उच्च स्थिति है।" <i>स्टेट एंड रिवोल्यूशन</i> में VI लेनिन का यह बयान निम्नलिखित में से किसे संदर्भित करता है: 1. सर्वहारा-वर्ग की तानाशाही 2. सोवियतों का विकास 3. मानसिक और शारीरिक श्रम के बीच विभाजन की समाप्ति 4. श्रम के शोषण से प्राप्त लाभ A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
80	945080		4.0	0.0

		The debate on thesis on the "Second Contradiction" was first initiated by this socialist environmentalist in the Journal <i>Capitalism, Nature, Socialism</i>: 1. James O'Connor 2. John Bellamy Foster 3. Paul Burkett 4. Carolyn Merchant "सेकंड कॉण्ट्राडिक्शन" के शोधनिबंध (थीसिस) पर पहली बार विमर्श <i>कैपिटलिज्म, नेचर, सोशियोलिज्म</i> जर्नल में इस समाजवादी पर्यावरणविद् द्वारा शुरू किया गया था: 1. जेम्स ओ'कॉनर 2. जॉन बेलामी फोस्टर 3. पॉल बर्केट 4. कैरोलिन मर्चेन्ट A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
81	945081	The concept of 'interlocked markets' was advocated by the following economist: 1. Amartya Sen 2. Utsa Patnaik 3. Krishna Bharadwaj 4. Sheila Bhalla 'अन्तराबंध्य बाजारों' की अवधारणा की निम्नलिखित में से कौन से अर्थशास्त्री द्वारा वकालत की गयी थी? 1. अमर्त्या सेन 2. उत्सा पटनायक 3. कृष्णा भारद्वाज 4. शीला भल्ला A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
82	945082		4.0	0.0

The term *testimonio* was first used by Latin American historians to refer to:

1. Oral histories of subalterns
2. Documentation of working-class interviews
3. Histories of the oppressed.
4. First witness accounts

लैटिन अमेरिकी इतिहासकारों द्वारा 'टेस्टिमोनियो' शब्द को पहली बार क्या संदर्भित करने के लिए प्रयोग किया गया था?

1. मातहतों के मौखिक इतिहास
2. कार्य-वर्ग साक्षात्कारों का प्रलेखन
3. शोषितों के इतिहास
4. प्राथमिक गवाह खाते

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

83 945083

Match List I with List II (Match the following concept with the scholars associated with them)

LIST I		LIST II	
A.	Samir Amin	I.	Drain of wealth
B.	Hamza Alavi	II.	Arab socialism
C.	Utsa Patnaik	III.	Imperialist rent
D.	A. Kadri	IV.	Colonial mode of production

Choose the correct answer from the options given below:

1. A:III, B:IV, C: I, D: II
2. A: IV, B: III, C: II, D: I
3. A: I, B: II, C: III, D: IV
4. A: IV, B: I, C: II, D: III

सूची I के साथ सूची II का मिलान करें (निम्नलिखित अवधारणाओं को उनसे संबद्ध विद्वानों से मिलाएं)

सूची I		सूची II	
A.	समीर अमीन	I.	संपत्ति/धन का अपवहन
B.	हमज़ा अल्वी	II.	अरब समाजवाद
C.	उत्सा पटनायक	III.	साम्राज्यवादी किराया
D.	ए.कादरी	IV.	उत्पादन का औपनिवेशिक प्रारूप

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A:III, B:IV, C: I, D: II
2. A: IV, B: III, C: II, D: I
3. A: I, B: II, C: III, D: IV
4. A: IV, B: I, C: II, D: III

A1 1
:

1

A2 2
:

2

		2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
84	945084	Which one of these scholars has NOT worked on history of science or technology: 1. Joseph Needham 2. E. H. Carr 3. J. D. Bernal 4. J. B. S Haldane इनमें से किस विद्वान ने विज्ञान या प्रौद्योगिकी के इतिहास पर काम नहीं किया है? 1. जोसेफ नीडहैम 2. ई.एच.कार 3. जे.डी.बर्नल 4. जे.बी.एस.हेल्डन A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
85	945085	The book <i>The Making of the Madras Working Class</i> has been written by: 1. D. Veeraraghavan 2. A. R. Venkatachalapathy 3. Vijay Bhaskar 4. M. N. Srinivas पुस्तक <i>द वर्किंग क्लास ऑफ़ मद्रास</i> के लेखक कौन हैं? 1. डी.वीराराघवन 2. ए.आर.वेंकटचल्लापैथी 3. विजय भास्कर 4. एम.एन.श्रीनिवास A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0

		4		
Objective Question				
86	945086	Which one of these scholars advanced the notion of class as 'prime mover' in the transition debate from feudalism to capitalism: 1. Paul Baran 2. Paul Sweezy 3. E. H. Hobsbawm 4. Rodney Hilton इनमें से किस विद्वान ने सामंतवाद से पूंजीवाद के पारगमन के विमर्श में वर्ग की 'मुख्य प्रवर्तक' अवधारणा को प्रतिपादित किया है? 1. पॉल बारान 2. पॉल स्वीज़ी 3. ई.एच.होब्सबौम 4. रोडनी हिल्टन A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
87	945087	The concept of 'accumulation by encroachment' has been advanced by: 1. Prabhat Patnaik 2. David Harvey 3. Utsa Patnaik 4. Michael Levin निम्नलिखित में से किसने 'अतिक्रमण द्वारा संचय' की अवधारणा को आगे बढ़ाया था? 1. प्रभात पटनायक 2. डेविड हार्वे 3. उत्सा पटनायक 4. माइकल लेविन A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
88	945088		4.0	0.0

		Which one of these scholars has not made the peasant history of colonial and independent India as a focus of their work: 1. A. R. Desai 2. D. R. Gadgil 3. B. B. Choudhuri 4. Bipan Chandra निम्नलिखित में से किस विद्वान ने मुख्य रूप से औपनिवेशिक और स्वतंत्र भारत के किसान इतिहास पर काम नहीं किया है? 1. ए.आर.देसाई 2. डी.आर.गाडगिल 3. बी.बी.चौधरी 4. बिपन चंद्र A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
89	945089	Urban unemployment is a characteristic feature of: 1. Harris-Todaro Model 2. Lewis Model 3. Harrod-Domar Model 4. Unbalanced growth Model शहरी बेरोजगारी निम्नलिखित में से किस की एक विशेषता है? 1. हैरिस-टोडारो मॉडल 2. लुईस मॉडल 3. हैरॉड-डोमर मॉडल 4. असंतुलित विकास मॉडल A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
90	945090		4.0	0.0

For existence of surplus labour, according to Amartya Sen, Marginal Product of Labour = 0

1. Is neither necessary nor sufficient condition
2. Is necessary but not sufficient condition
3. Is sufficient but not necessary condition
4. Is a necessary condition only

अमर्त्या सेन के अनुसार, अधिशेष श्रम के अस्तित्व के लिए, श्रम का मूल उत्पाद = 0

1. न तो आवश्यक है और न ही पर्याप्त शर्त
2. आवश्यक है लेकिन पर्याप्त शर्त नहीं है
3. पर्याप्त लेकिन आवश्यक शर्त नहीं है
4. केवल एक आवश्यक शर्त है

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

91	945091	The 74th Amendment to the Indian Constitution: A. Provided Constitutional status to Urban Local Bodies (ULBs) B. Provided that municipality under this clause may not be constituted in such urban area or part thereof which the Governor may, by public notification, specify to be an industrial township." C. Reservation of seats in every Municipality for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and backward class of citizens in proportion to their population of which not less than one-third shall be for women. Choose the correct answer from the options given below: 1. A and B 2. B and C 3. A and C 4. A, B, and C भारतीय संविधान में 74वां संशोधन: A. शहरी स्थानीय निकायों (ULBs) को संवैधानिक दर्जा दिया गया। B. निर्धारित किया कि इस खंड के तहत नगरपालिका ऐसी शहरी क्षेत्र या उसके हिस्से में गठित नहीं हो सकती है, जिसे राज्यपाल सार्वजनिक अधिसूचना द्वारा औद्योगिक टाउनशिप के रूप में निर्दिष्ट कर सकते हैं। C. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों और नागरिकों के पिछड़े वर्ग के लिए प्रत्येक नगरपालिका में उनकी आबादी के अनुपात में सीटों का आरक्षण, जिसमें महिलाओं के लिए एक तिहाई से कम हिस्सा नहीं होगा। नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनें: 1. A और B 2. B और C 3. A और C 4. A, B और C A1 : 1 A2 : 2	4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

		2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
92	945092	What did Daniel Thorner refer to as, “built-in-depressor” in his 1955 lecture delivered at the Delhi School of Economics? A. Landlords preferring to live on extracting rent B. Landlords preferring to live on trading profit out of an impoverished peasantry C. Landlords preferring for productivity-raising investment Choose the correct answer from the options given below: 1. Only C 2. A and C 3. B and C 4. A, B, and C डेनियल थोर्नर ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अपने 1955 व्याख्यान में "बिल्ट-इन-डिप्रेसर" के रूप में किसका उल्लेख किया था ? A. मालिक किराया लेकर गुज़र करने को वरीयता देते हैं B. मालिक लचर कृषि-वर्ग से बाहर व्यापार लाभ पर गुज़र करने को वरीयता देते हैं C. मालिक उत्पादकता बढ़ाने वाले निवेश को वरीयता देते हैं नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनें: 1. केवल C 2. A और C 3. B और C 4. A, B और C A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
93	945093	What does Dani Rodrick (2015) mean by the term “premature deindustrialisation” that the post-liberal India has achieved? A. Turning into service economies without having gone through a proper experience of industrialization B. Manufacturing in India shrunk at levels of income that was a fraction of those at which the advanced economies started to deindustrialize C. That as a usual course of development manufacturing in India followed an inverted U-shaped path. Choose the correct answer from the options given below: 1. A and B 2. A and C 3. B and C 4. only C	4.0	0.0

		दानी रोड्रिक (2015) का "अकालिक विउद्योगीकरण" से क्या तात्पर्य है, जिसे पश्च-उदार भारत ने हासिल कर लिया है? A. उद्योगीकरण के संपूर्ण अनुभव के बिना ही सेवा अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तित होना B. भारत में विनिर्माण आय के स्तर पर इतना संकुचित हो गया, कि वह उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की विउद्योगीकरण प्रक्रिया के शुरूआती स्तर का अंश मात्र था C. विकास के स्वाभाविक क्रम के अनुसार भारत में विनिर्माण ने एक व्युत्क्रमित U-आकार पथ का पालन किया नीचे दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनें: 1. A और B 2. A और C 3. B और C 4. केवल C A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4		
Objective Question				
94	945094	"Organized and unorganized sector workers do not think of themselves and act as separate classes with conflicting interests" was said by one of the following. 1. Jan Breman 2. Mark Holmström 3. John Harriss 4. Arjun Kumar Sengupta निम्नलिखित में से किसने यह कहा था कि, "संगठित और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक न तो खुद को एक-दूसरे से अलग मानते हैं और न ही परस्पर विरोधी हितों वाले अलग-अलग वर्गों के रूप में कार्य करते हैं"? 1. जन ब्रेमैन 2. मार्क होल्मस्ट्रॉम 3. जॉन हैरिस 4. अर्जुन कुमार सेनगुप्ता A1 1 : 1 A2 2 : 2 A3 3 : 3 A4 4 : 4	4.0	0.0
Objective Question				
95	945095		4.0	0.0

“The revolutionary working class was constituted out of urban rather than exclusively factory workers” is attributed to one of the following.

1. Henri Lefebvre
2. David Harvey
3. Karl Marx
4. Vladimir Lenin

निम्नलिखित में से किसने यह कहा था कि "क्रांतिकारी श्रमिक-वर्ग का गठन केवल फैक्ट्री श्रमिकों से ही नहीं, अपितु शहरी श्रमिकों से भी हुआ था" ?

1. हेनरी लेफेब्र
2. डेविड हार्वे
3. कार्ल मार्क्स
4. व्लादिमीर लेनिन

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

96	945096		4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

Answer the question below after reading the following passages from Utsa Patnaik and Prabhat Patnaik eds., *Capitalism and Imperialism: Theory, History and the Present* (pp.309-310) :

The vast labor reserves created in countries like India, China, Indonesia, and Bangladesh through deindustrialization (and surplus drain in the case of colonies) is also a product of capitalism.....But these labor reserves are not just something that got created and happened to persist over time. Their existence and perpetuation are essential to the logic of capitalism.

The existence of vast labor reserves in the third world is one way of imposing income deflation on its working people, whereby their absorption of such goods is squeezed. If perchance labor reserves begin to get exhausted, creating larger incomes for the working people, then their demand for goods with increasing supply price would increase, destabilizing the value of money within the system and hence the system itself. To prevent destabilization, measures of "inflation control" would be adopted and these would re-create the labor reserves. Hence the labor reserves are not just an accidental historical legacy of deindustrialization of the colonial times; they are part of the logic of the system itself.

The poverty produced by income deflation is distinct from the poverty produced by the existence of a reserve army of labor in the metropolis, with which typically Marx's remark about the production of wealth at one pole and poverty at another has been associated. Put differently, the growth of wealth at one pole through capital accumulation must be accompanied, independently of what happens to the reserve army in the metropolis, by an appropriate squeeze on the absolute amount of products subject to increasing supply price that is absorbed by the people of this tropical landmass. Since these goods must enter in some minimal amount into any basket, the access to which must be a benchmark for defining poverty, it follows that there must be growing absolute poverty in the third world accompanying capital accumulation, and hence the growth of wealth, in the metropolis.

It follows as well that capitalism's production of poverty must be seen as a phenomenon occurring at the global level, and not just locally within the metropolis through an increase in the absolute size of the domestic reserve army. And when we adopt this global perspective, we would find an increase in absolute poverty occurring alongside capital accumulation, at least in terms of the deprivation of goods subject to increasing supply price. Focusing attention solely upon the metropolis and interpreting Marx's proposition solely in terms of the absolute size of the reserve army of labor within the metropolis (for which Marx must be held responsible) makes it easy to show that the magnitude of poverty produced by capitalism is relatively small. It makes it easy as well to present capitalism in a more favorable light, as a more benign system than it actually is. Such a benign picture of capitalism, however, turns out to be a misleading one once we look at its global or imperial character.

According to Utsa Patnaik and Prabhat Patnaik _____ is a necessary condition for logic of capitalist expansion:

1. Deindustrialisation of colonies.
2. Expansion of reserve army of labour in metropolis.
3. Creation and expansion of reserve army of labour in peripheries.
4. Contraction of domestic market in the peripheries.

उत्सा पटनायक और प्रभात पटनायक कृत पूँजीवाद और साम्राज्यवाद: सिद्धांत, इतिहास और वर्तमान (पृष्ठ 309-310) से सारांशित निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिये:

भारत, चीन, इंडोनेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में विउद्योगीकरण (और उपनिवेशों के मामले में अधिशेष अवशोषण) के माध्यम से निर्मित विशाल श्रम रिज़र्व भी पूँजीवाद का ही एक उत्पाद है। लेकिन यह श्रम रिज़र्व न तो रातोंरात तैयार हुए हैं और न ही बेवजह समय के साथ बने रहने में कामयाब हुए हैं। इनके अस्तित्व और स्थायीकरण में पूँजीवाद का मूल तर्क निहित है। तीसरी दुनिया में विशाल श्रम रिज़र्व का अस्तित्व वहां काम करने वाले लोगों पर अपस्फीति थोपने का एक तरीका है, जिस में उनके द्वारा वस्तुओं के अवशोषण को संकुचित कर दिया जाता है। यदि श्रम रिज़र्व ख़त्म हो जायेंगे, तो श्रमिकों के लिए अधिक आय उत्पन्न होगी, और आपूर्ति मूल्य में वृद्धि के साथ उनकी वस्तुओं की मांग बढ़ जायेगी, जिससे तंत्र के भीतर पहले पैसे का मूल्य और अंततः तंत्र ही अस्थिर हो जाएगा। इस अस्थिरता को रोकने के लिए, "मुद्रास्फीति नियंत्रण" के उपायों को अपनाया जाएगा, जिससे पुनः श्रम रिज़र्व का निर्माण होगा। इसलिए श्रम रिज़र्व केवल औपनिवेशिक काल के विउद्योगीकरण की एक आकस्मिक ऐतिहासिक विरासत नहीं हैं; वे तंत्र के तर्क का मूल हिस्सा हैं।

आय की अपस्फीति द्वारा उत्पादित गरीबी, महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के अस्तित्व द्वारा उत्पादित गरीबी से अलग है, जिसके साथ आम तौर पर मार्क्स की टिप्पणी जुड़ी हुई है, जिसमें वह एक ध्रुव पर धन के उत्पादन और दूसरे ध्रुव पर गरीबी के उत्पादन के बारे में बात करते हैं। अन्य शब्दों में कहा जाए तो एक छोर पर पूँजी संचयन के माध्यम से संपत्ति वृद्धि के साथ-साथ इस उष्णकटिबंधी भूभाग के निवासियों द्वारा अवशोषित उन उत्पादों का भी उपयुक्त संकुचन होता है, जो आपूर्ति के बढ़ते दामों के अधीन होते हैं और इस पूरी प्रक्रिया में महानगरों में रिज़र्व सेना के साथ क्या होता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चूंकि यह आवश्यक है कि यह वस्तुएं किसी न्यूनतम मात्र में किसी न किसी बास्केट में पहुंचें, जिस तक पहुंच गरीबी को निर्धारित करने का मानक होना चाहिए, इसलिए इसका अर्थ है कि तीसरी दुनिया में पूँजी संचयन के साथ गरीबी में भी पूर्ण रूप से वृद्धि हो रही है और अतः महानगरों में सम्पत्तियों में भी वृद्धि हो रही है।

इसका अर्थ यह भी है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की जा रही गरीबी को एक वैश्विक घटना के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि केवल महानगरों में घरेलू रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार में वृद्धि के माध्यम से स्थानीय स्तर पर हो रही किसी घटना के रूप में। जब हम यह वैश्विक दृष्टिकोण अपनाते हैं तो हमें पता चलता है कि पूँजी संचयन के साथ-साथ संपूर्ण गरीबी में भी वृद्धि हो रही है, कम से कम बढ़ते हुए आपूर्ति दामों के अधीन वस्तुओं की कमी के संदर्भ में। केवल महानगरों पर ध्यान केन्द्रित करने और मार्क्स के प्रस्ताव को एकमात्र महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार के संदर्भ में समझने से (जिसके लिए मार्क्स को ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए) ऐसा लग सकता है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की गयी गरीबी का स्तर तुलनात्मक रूप से कम है। इससे पूँजीवाद को सकारात्मक रूप से पेश करने में भी सुविधा मिलती है, जिसमें इसे एक हितैषी तंत्र की तरह प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन पूँजीवाद की यह हितैषी तस्वीर तब भ्रामक साबित होती है, जब हम इसके वैश्विक या साम्राज्यवादी चरित्र पर ध्यान देते हैं।

उत्सा पटनायक और प्रभात पटनायक के अनुसार _____ पूँजीवादी विस्तार के तर्क के लिए एक आवश्यक शर्त है।

1. उपनिवेशों का विउद्योगीकरण
2. महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना का विस्तार
3. परिधियों में श्रम की रिज़र्व सेना का निर्माण और विस्तार
4. परिधियों में घरेलू बाजार का संकुचन

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

97	945097		4.0	0.0
----	--------	--	-----	-----

Answer the question below after reading the following passages from Utsa Patnaik and Prabhat Patnaik eds., *Capitalism and Imperialism: Theory, History and the Present* (pp.309-310) :

The vast labor reserves created in countries like India, China, Indonesia, and Bangladesh through deindustrialization (and surplus drain in the case of colonies) is also a product of capitalism.....But these labor reserves are not just something that got created and happened to persist over time. Their existence and perpetuation are essential to the logic of capitalism.

The existence of vast labor reserves in the third world is one way of imposing income deflation on its working people, whereby their absorption of such goods is squeezed. If perchance labor reserves begin to get exhausted, creating larger incomes for the working people, then their demand for goods with increasing supply price would increase, destabilizing the value of money within the system and hence the system itself. To prevent destabilization, measures of "inflation control" would be adopted and these would re-create the labor reserves. Hence the labor reserves are not just an accidental historical legacy of deindustrialization of the colonial times; they are part of the logic of the system itself.

The poverty produced by income deflation is distinct from the poverty produced by the existence of a reserve army of labor in the metropolis, with which typically Marx's remark about the production of wealth at one pole and poverty at another has been associated. Put differently, the growth of wealth at one pole through capital accumulation must be accompanied, independently of what happens to the reserve army in the metropolis, by an appropriate squeeze on the absolute amount of products subject to increasing supply price that is absorbed by the people of this tropical landmass. Since these goods must enter in some minimal amount into any basket, the access to which must be a benchmark for defining poverty, it follows that there must be growing absolute poverty in the third world accompanying capital accumulation, and hence the growth of wealth, in the metropolis.

It follows as well that capitalism's production of poverty must be seen as a phenomenon occurring at the global level, and not just locally within the metropolis through an increase in the absolute size of the domestic reserve army. And when we adopt this global perspective, we would find an increase in absolute poverty occurring alongside capital accumulation, at least in terms of the deprivation of goods subject to increasing supply price. Focusing attention solely upon the metropolis and interpreting Marx's proposition solely in terms of the absolute size of the reserve army of labor within the metropolis (for which Marx must be held responsible) makes it easy to show that the magnitude of poverty produced by capitalism is relatively small. It makes it easy as well to present capitalism in a more favorable light, as a more benign system than it actually is. Such a benign picture of capitalism, however, turns out to be a misleading one once we look at its global or imperial character.

By income deflation Utsa Patnaik refers to:

1. The wage squeeze of workers due to presence of reserve army of labour.
2. The falling wages of workers in the peripheries and their inability to buy goods.
3. The overall falling rate of wages in peripheries and metropolis.
4. All of the above.

उत्सा पटनायक और प्रभात पटनायक कृत पूँजीवाद और साम्राज्यवाद: सिद्धांत, इतिहास और वर्तमान (पृष्ठ 309-310) से सारांशित निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिये:

भारत, चीन, इंडोनेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में विउद्योगीकरण (और उपनिवेशों के मामले में अधिशेष अवशोषण) के माध्यम से निर्मित विशाल श्रम रिज़र्व भी पूँजीवाद का ही एक उत्पाद है। लेकिन यह श्रम रिज़र्व न तो रातोंरात तैयार हुए हैं और न ही बेवजह समय के साथ बने रहने में कामयाब हुए हैं। इनके अस्तित्व और स्थायीकरण में पूँजीवाद का मूल तर्क निहित है। तीसरी दुनिया में विशाल श्रम रिज़र्व का अस्तित्व वहां काम करने वाले लोगों पर अपस्फीति थोपने का एक तरीका है, जिस में उनके द्वारा वस्तुओं के अवशोषण को संकुचित कर दिया जाता है। यदि श्रम रिज़र्व खत्म हो जायेंगे, तो श्रमिकों के लिए अधिक आय उत्पन्न होगी, और आपूर्ति मूल्य में वृद्धि के साथ उनकी वस्तुओं की मांग बढ़ जायेगी, जिससे तंत्र के भीतर पहले पैसे का मूल्य और अंततः तंत्र ही अस्थिर हो जाएगा। इस अस्थिरता को रोकने के लिए, "मुद्रास्फीति नियंत्रण" के उपायों को अपनाया जाएगा, जिससे पुनः श्रम रिज़र्व का निर्माण होगा। इसलिए श्रम रिज़र्व केवल औपनिवेशिक काल के विउद्योगीकरण की एक आकस्मिक ऐतिहासिक विरासत नहीं हैं; वे तंत्र के तर्क का मूल हिस्सा हैं।

आय की अपस्फीति द्वारा उत्पादित गरीबी, महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के अस्तित्व द्वारा उत्पादित गरीबी से अलग है, जिसके साथ आम तौर पर मार्क्स की टिप्पणी जुड़ी हुई है, जिसमें वह एक ध्रुव पर धन के उत्पादन और दूसरे ध्रुव पर गरीबी के उत्पादन के बारे में बात करते हैं। अन्य शब्दों में कहा जाए तो एक छोर पर पूँजी संचयन के माध्यम से संपत्ति वृद्धि के साथ-साथ इस उष्णकटिबंधी भूभाग के निवासियों द्वारा अवशोषित उन उत्पादों का भी उपयुक्त संकुचन होता है, जो आपूर्ति के बढ़ते दामों के अधीन होते हैं और इस पूरी प्रक्रिया में महानगरों में रिज़र्व सेना के साथ क्या होता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चूंकि यह आवश्यक है कि यह वस्तुएं किसी न्यूनतम मात्र में किसी न किसी बास्केट में पहुंचें, जिस तक पहुंच गरीबी को निर्धारित करने का मानक होना चाहिए, इसलिए इसका अर्थ है कि तीसरी दुनिया में पूँजी संचयन के साथ गरीबी में भी पूर्ण रूप से वृद्धि हो रही है और अतः महानगरों में सम्पत्तियों में भी वृद्धि हो रही है।

इसका अर्थ यह भी है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की जा रही गरीबी को एक वैश्विक घटना के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि केवल महानगरों में घरेलू रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार में वृद्धि के माध्यम से स्थानीय स्तर पर हो रही किसी घटना के रूप में। जब हम यह वैश्विक दृष्टिकोण अपनाते हैं तो हमें पता चलता है कि पूँजी संचयन के साथ-साथ संपूर्ण गरीबी में भी वृद्धि हो रही है, कम से कम बढ़ते हुए आपूर्ति दामों के अधीन वस्तुओं की कमी के संदर्भ में। केवल महानगरों पर ध्यान केन्द्रित करने और मार्क्स के प्रस्ताव को एकमात्र महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार के संदर्भ में समझने से (जिसके लिए मार्क्स को ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए) ऐसा लग सकता है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की गयी गरीबी का स्तर तुलनात्मक रूप से कम है। इससे पूँजीवाद को सकारात्मक रूप से पेश करने में भी सुविधा मिलती है, जिसमें इसे एक हितैषी तंत्र की तरह प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन पूँजीवाद की यह हितैषी तस्वीर तब भ्रामक साबित होती है, जब हम इसके वैश्विक या साम्राज्यवादी चरित्र पर ध्यान देते हैं।

आय की अपस्फीति से उत्सा पटनायक का तात्पर्य है:

1. श्रम की रिज़र्व सेना की उपस्थिति के कारण श्रमिकों के भत्ते में संकुचन आना
2. परिधियों में श्रमिकों के गिरते हुए भत्ते और वस्तुओं को खरीदने की उनकी अक्षमता
3. परिधि और महानगर में भत्तों की गिरावट की समग्र दर
4. उपरोक्त सभी

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

98 945098

4.0 0.0

Answer the question below after reading the following passages from Utsa Patnaik and Prabhat Patnaik eds., *Capitalism and Imperialism: Theory, History and the Present* (pp.309-310) :

The vast labor reserves created in countries like India, China, Indonesia, and Bangladesh through deindustrialization (and surplus drain in the case of colonies) is also a product of capitalism.....But these labor reserves are not just something that got created and happened to persist over time. Their existence and perpetuation are essential to the logic of capitalism.

The existence of vast labor reserves in the third world is one way of imposing income deflation on its working people, whereby their absorption of such goods is squeezed. If perchance labor reserves begin to get exhausted, creating larger incomes for the working people, then their demand for goods with increasing supply price would increase, destabilizing the value of money within the system and hence the system itself. To prevent destabilization, measures of "inflation control" would be adopted and these would re-create the labor reserves. Hence the labor reserves are not just an accidental historical legacy of deindustrialization of the colonial times; they are part of the logic of the system itself.

The poverty produced by income deflation is distinct from the poverty produced by the existence of a reserve army of labor in the metropolis, with which typically Marx's remark about the production of wealth at one pole and poverty at another has been associated. Put differently, the growth of wealth at one pole through capital accumulation must be accompanied, independently of what happens to the reserve army in the metropolis, by an appropriate squeeze on the absolute amount of products subject to increasing supply price that is absorbed by the people of this tropical landmass. Since these goods must enter in some minimal amount into any basket, the access to which must be a benchmark for defining poverty, it follows that there must be growing absolute poverty in the third world accompanying capital accumulation, and hence the growth of wealth, in the metropolis.

It follows as well that capitalism's production of poverty must be seen as a phenomenon occurring at the global level, and not just locally within the metropolis through an increase in the absolute size of the domestic reserve army. And when we adopt this global perspective, we would find an increase in absolute poverty occurring alongside capital accumulation, at least in terms of the deprivation of goods subject to increasing supply price. Focusing attention solely upon the metropolis and interpreting Marx's proposition solely in terms of the absolute size of the reserve army of labor within the metropolis (for which Marx must be held responsible) makes it easy to show that the magnitude of poverty produced by capitalism is relatively small. It makes it easy as well to present capitalism in a more favorable light, as a more benign system than it actually is. Such a benign picture of capitalism, however, turns out to be a misleading one once we look at its global or imperial character.

The use of the term 'metropolis' refers to:

1. The headquarters of the companies where production takes place.
2. Western European countries.
3. The nodes of accumulation in global capitalism.
4. The places where profits are harnessed.

उत्सा पटनायक और प्रभात पटनायक कृत पूँजीवाद और साम्राज्यवाद: सिद्धांत, इतिहास और वर्तमान (पृष्ठ 309-310) से सारांशित निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिये:

भारत, चीन, इंडोनेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में विउद्योगीकरण (और उपनिवेशों के मामले में अधिशेष अवशोषण) के माध्यम से निर्मित विशाल श्रम रिज़र्व भी पूँजीवाद का ही एक उत्पाद है। लेकिन यह श्रम रिज़र्व न तो रातोंरात तैयार हुए हैं और न ही बेवजह समय के साथ बने रहने में कामयाब हुए हैं। इनके अस्तित्व और स्थायीकरण में पूँजीवाद का मूल तर्क निहित है। तीसरी दुनिया में विशाल श्रम रिज़र्व का अस्तित्व वहां काम करने वाले लोगों पर अपस्फीति थोपने का एक तरीका है, जिस में उनके द्वारा वस्तुओं के अवशोषण को संकुचित कर दिया जाता है। यदि श्रम रिज़र्व खत्म हो जायेंगे, तो श्रमिकों के लिए अधिक आय उत्पन्न होगी, और आपूर्ति मूल्य में वृद्धि के साथ उनकी वस्तुओं की मांग बढ़ जायेगी, जिससे तंत्र के भीतर पहले पैसे का मूल्य और अंततः तंत्र ही अस्थिर हो जाएगा। इस अस्थिरता को रोकने के लिए, "मुद्रास्फीति नियंत्रण" के उपायों को अपनाया जाएगा, जिससे पुनः श्रम रिज़र्व का निर्माण होगा। इसलिए श्रम रिज़र्व केवल औपनिवेशिक काल के विउद्योगीकरण की एक आकस्मिक ऐतिहासिक विरासत नहीं हैं; वे तंत्र के तर्क का मूल हिस्सा हैं।

आय की अपस्फीति द्वारा उत्पादित गरीबी, महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के अस्तित्व द्वारा उत्पादित गरीबी से अलग है, जिसके साथ आम तौर पर मार्क्स की टिप्पणी जुड़ी हुई है, जिसमें वह एक ध्रुव पर धन के उत्पादन और दूसरे ध्रुव पर गरीबी के उत्पादन के बारे में बात करते हैं। अन्य शब्दों में कहा जाए तो एक छोर पर पूँजी संचयन के माध्यम से संपत्ति वृद्धि के साथ-साथ इस उष्णकटिबंधी भूभाग के निवासियों द्वारा अवशोषित उन उत्पादों का भी उपयुक्त संकुचन होता है, जो आपूर्ति के बढ़ते दामों के अधीन होते हैं और इस पूरी प्रक्रिया में महानगरों में रिज़र्व सेना के साथ क्या होता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चूंकि यह आवश्यक है कि यह वस्तुएं किसी न्यूनतम मात्र में किसी न किसी बास्केट में पहुंचें, जिस तक पहुंच गरीबी को निर्धारित करने का मानक होना चाहिए, इसलिए इसका अर्थ है कि तीसरी दुनिया में पूँजी संचयन के साथ गरीबी में भी पूर्ण रूप से वृद्धि हो रही है और अतः महानगरों में सम्पत्तियों में भी वृद्धि हो रही है।

इसका अर्थ यह भी है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की जा रही गरीबी को एक वैश्विक घटना के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि केवल महानगरों में घरेलू रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार में वृद्धि के माध्यम से स्थानीय स्तर पर हो रही किसी घटना के रूप में। जब हम यह वैश्विक दृष्टिकोण अपनाते हैं तो हमें पता चलता है कि पूँजी संचयन के साथ-साथ संपूर्ण गरीबी में भी वृद्धि हो रही है, कम से कम बढ़ते हुए आपूर्ति दामों के अधीन वस्तुओं की कमी के संदर्भ में। केवल महानगरों पर ध्यान केन्द्रित करने और मार्क्स के प्रस्ताव को एकमात्र महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार के संदर्भ में समझने से (जिसके लिए मार्क्स को ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए) ऐसा लग सकता है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की गयी गरीबी का स्तर तुलनात्मक रूप से कम है। इससे पूँजीवाद को सकारात्मक रूप से पेश करने में भी सुविधा मिलती है, जिसमें इसे एक हितैषी तंत्र की तरह प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन पूँजीवाद की यह हितैषी तस्वीर तब भ्रामक साबित होती है, जब हम इसके वैश्विक या साम्राज्यवादी चरित्र पर ध्यान देते हैं।

'महानगर' (मेट्रोपोलिस) शब्द के उपयोग से क्या तात्पर्य है?

1. कंपनियों का मुख्यालय, जहां उत्पादन होता है
2. पश्चिमी यूरोपीय देश
3. वैश्विक पूँजीवाद में संचयन की ग्रंथियां
4. वह स्थान जहां लाभ का उपयोग किया जाता है

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4

Objective Question

99 945099

4.0 0.0

Answer the question below after reading the following passages from Utsa Patnaik and Prabhat Patnaik eds., *Capitalism and Imperialism: Theory, History and the Present* (pp.309-310) :

The vast labor reserves created in countries like India, China, Indonesia, and Bangladesh through deindustrialization (and surplus drain in the case of colonies) is also a product of capitalism.....But these labor reserves are not just something that got created and happened to persist over time. Their existence and perpetuation are essential to the logic of capitalism.

The existence of vast labor reserves in the third world is one way of imposing income deflation on its working people, whereby their absorption of such goods is squeezed. If perchance labor reserves begin to get exhausted, creating larger incomes for the working people, then their demand for goods with increasing supply price would increase, destabilizing the value of money within the system and hence the system itself. To prevent destabilization, measures of "inflation control" would be adopted and these would re-create the labor reserves. Hence the labor reserves are not just an accidental historical legacy of deindustrialization of the colonial times; they are part of the logic of the system itself.

The poverty produced by income deflation is distinct from the poverty produced by the existence of a reserve army of labor in the metropolis, with which typically Marx's remark about the production of wealth at one pole and poverty at another has been associated. Put differently, the growth of wealth at one pole through capital accumulation must be accompanied, independently of what happens to the reserve army in the metropolis, by an appropriate squeeze on the absolute amount of products subject to increasing supply price that is absorbed by the people of this tropical landmass. Since these goods must enter in some minimal amount into any basket, the access to which must be a benchmark for defining poverty, it follows that there must be growing absolute poverty in the third world accompanying capital accumulation, and hence the growth of wealth, in the metropolis.

It follows as well that capitalism's production of poverty must be seen as a phenomenon occurring at the global level, and not just locally within the metropolis through an increase in the absolute size of the domestic reserve army. And when we adopt this global perspective, we would find an increase in absolute poverty occurring alongside capital accumulation, at least in terms of the deprivation of goods subject to increasing supply price. Focusing attention solely upon the metropolis and interpreting Marx's proposition solely in terms of the absolute size of the reserve army of labor within the metropolis (for which Marx must be held responsible) makes it easy to show that the magnitude of poverty produced by capitalism is relatively small. It makes it easy as well to present capitalism in a more favorable light, as a more benign system than it actually is. Such a benign picture of capitalism, however, turns out to be a misleading one once we look at its global or imperial character.

The term 'peripheries' refers to:

1. Countries with pre-capitalist social formations.
2. Erstwhile colonised countries.
3. Countries from where 'surplus drain' is taking place.
4. Countries with a reserve army of labour.

उत्सा पटनायक और प्रभात पटनायक कृत पूँजीवाद और साम्राज्यवाद: सिद्धांत, इतिहास और वर्तमान (पृष्ठ 309-310) से सारांशित निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिये:

भारत, चीन, इंडोनेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में विउद्योगीकरण (और उपनिवेशों के मामले में अधिशेष अवशोषण) के माध्यम से निर्मित विशाल श्रम रिज़र्व भी पूँजीवाद का ही एक उत्पाद है। लेकिन यह श्रम रिज़र्व न तो रातोंरात तैयार हुए हैं और न ही बेवजह समय के साथ बने रहने में कामयाब हुए हैं। इनके अस्तित्व और स्थायीकरण में पूँजीवाद का मूल तर्क निहित है। तीसरी दुनिया में विशाल श्रम रिज़र्व का अस्तित्व वहां काम करने वाले लोगों पर अपस्फीति थोपने का एक तरीका है, जिस में उनके द्वारा वस्तुओं के अवशोषण को संकुचित कर दिया जाता है। यदि श्रम रिज़र्व खत्म हो जायेंगे, तो श्रमिकों के लिए अधिक आय उत्पन्न होगी, और आपूर्ति मूल्य में वृद्धि के साथ उनकी वस्तुओं की मांग बढ़ जायेगी, जिससे तंत्र के भीतर पहले पैसे का मूल्य और अंततः तंत्र ही अस्थिर हो जाएगा। इस अस्थिरता को रोकने के लिए, "मुद्रास्फीति नियंत्रण" के उपायों को अपनाया जाएगा, जिससे पुनः श्रम रिज़र्व का निर्माण होगा। इसलिए श्रम रिज़र्व केवल औपनिवेशिक काल के विउद्योगीकरण की एक आकस्मिक ऐतिहासिक विरासत नहीं हैं; वे तंत्र के तर्क का मूल हिस्सा हैं।

आय की अपस्फीति द्वारा उत्पादित गरीबी, महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के अस्तित्व द्वारा उत्पादित गरीबी से अलग है, जिसके साथ आम तौर पर मार्क्स की टिप्पणी जुड़ी हुई है, जिसमें वह एक ध्रुव पर धन के उत्पादन और दूसरे ध्रुव पर गरीबी के उत्पादन के बारे में बात करते हैं। अन्य शब्दों में कहा जाए तो एक छोर पर पूँजी संचयन के माध्यम से संपत्ति वृद्धि के साथ-साथ इस उष्णकटिबंधी भूभाग के निवासियों द्वारा अवशोषित उन उत्पादों का भी उपयुक्त संकुचन होता है, जो आपूर्ति के बढ़ते दामों के अधीन होते हैं और इस पूरी प्रक्रिया में महानगरों में रिज़र्व सेना के साथ क्या होता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चूंकि यह आवश्यक है कि यह वस्तुएं किसी न्यूनतम मात्र में किसी न किसी बास्केट में पहुंचें, जिस तक पहुंच गरीबी को निर्धारित करने का मानक होना चाहिए, इसलिए इसका अर्थ है कि तीसरी दुनिया में पूँजी संचयन के साथ गरीबी में भी पूर्ण रूप से वृद्धि हो रही है और अतः महानगरों में सम्पत्तियों में भी वृद्धि हो रही है।

इसका अर्थ यह भी है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की जा रही गरीबी को एक वैश्विक घटना के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि केवल महानगरों में घरेलू रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार में वृद्धि के माध्यम से स्थानीय स्तर पर हो रही किसी घटना के रूप में। जब हम यह वैश्विक दृष्टिकोण अपनाते हैं तो हमें पता चलता है कि पूँजी संचयन के साथ-साथ संपूर्ण गरीबी में भी वृद्धि हो रही है, कम से कम बढ़ते हुए आपूर्ति दामों के अधीन वस्तुओं की कमी के संदर्भ में। केवल महानगरों पर ध्यान केन्द्रित करने और मार्क्स के प्रस्ताव को एकमात्र महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार के संदर्भ में समझने से (जिसके लिए मार्क्स को ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए) ऐसा लग सकता है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की गयी गरीबी का स्तर तुलनात्मक रूप से कम है। इससे पूँजीवाद को सकारात्मक रूप से पेश करने में भी सुविधा मिलती है, जिसमें इसे एक हितैषी तंत्र की तरह प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन पूँजीवाद की यह हितैषी तस्वीर तब भ्रामक साबित होती है, जब हम इसके वैश्विक या साम्राज्यवादी चरित्र पर ध्यान देते हैं।

'परिधि' (पेरिफेरिज़) शब्द से तात्पर्य है:

1. पूर्व-पूँजीवाद सामाजिक संरचनाओं वाले देश
2. पूर्व में औपनिवेशिक देश
3. जिन देशों में 'अधिशेष अवशोषण' हो रहा है
4. श्रम की रिज़र्व सेना वाले देश

A1
:

1

A2
:

2

A3
:

3

A4
:

4

Objective Question

100 945100

4.0 0.0

Answer the question below after reading the following passages from Utsa Patnaik and Prabhat Patnaik eds., *Capitalism and Imperialism: Theory, History and the Present* (pp.309-310) :

The vast labor reserves created in countries like India, China, Indonesia, and Bangladesh through deindustrialization (and surplus drain in the case of colonies) is also a product of capitalism.....But these labor reserves are not just something that got created and happened to persist over time. Their existence and perpetuation are essential to the logic of capitalism.

The existence of vast labor reserves in the third world is one way of imposing income deflation on its working people, whereby their absorption of such goods is squeezed. If perchance labor reserves begin to get exhausted, creating larger incomes for the working people, then their demand for goods with increasing supply price would increase, destabilizing the value of money within the system and hence the system itself. To prevent destabilization, measures of "inflation control" would be adopted and these would re-create the labor reserves. Hence the labor reserves are not just an accidental historical legacy of deindustrialization of the colonial times; they are part of the logic of the system itself.

The poverty produced by income deflation is distinct from the poverty produced by the existence of a reserve army of labor in the metropolis, with which typically Marx's remark about the production of wealth at one pole and poverty at another has been associated. Put differently, the growth of wealth at one pole through capital accumulation must be accompanied, independently of what happens to the reserve army in the metropolis, by an appropriate squeeze on the absolute amount of products subject to increasing supply price that is absorbed by the people of this tropical landmass. Since these goods must enter in some minimal amount into any basket, the access to which must be a benchmark for defining poverty, it follows that there must be growing absolute poverty in the third world accompanying capital accumulation, and hence the growth of wealth, in the metropolis.

It follows as well that capitalism's production of poverty must be seen as a phenomenon occurring at the global level, and not just locally within the metropolis through an increase in the absolute size of the domestic reserve army. And when we adopt this global perspective, we would find an increase in absolute poverty occurring alongside capital accumulation, at least in terms of the deprivation of goods subject to increasing supply price. Focusing attention solely upon the metropolis and interpreting Marx's proposition solely in terms of the absolute size of the reserve army of labor within the metropolis (for which Marx must be held responsible) makes it easy to show that the magnitude of poverty produced by capitalism is relatively small. It makes it easy as well to present capitalism in a more favorable light, as a more benign system than it actually is. Such a benign picture of capitalism, however, turns out to be a misleading one once we look at its global or imperial character.

Seeing capitalism as a 'closed system' leads to a faulty understanding:

1. That the magnitude of poverty under capitalism small and poverty exists only at the local level.
2. That income deflation has no relationship with poverty.
3. That there is no expulsion of labour under capitalism.
4. All of the above.

उत्सा पटनायक और प्रभात पटनायक कृत पूँजीवाद और साम्राज्यवाद: सिद्धांत, इतिहास और वर्तमान (पृष्ठ 309-310) से सारांशित निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिये:

भारत, चीन, इंडोनेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में विउद्योगीकरण (और उपनिवेशों के मामले में अधिशेष अवशोषण) के माध्यम से निर्मित विशाल श्रम रिज़र्व भी पूँजीवाद का ही एक उत्पाद है। लेकिन यह श्रम रिज़र्व न तो रातोंरात तैयार हुए हैं और न ही बेवजह समय के साथ बने रहने में कामयाब हुए हैं। इनके अस्तित्व और स्थायीकरण में पूँजीवाद का मूल तर्क निहित है। तीसरी दुनिया में विशाल श्रम रिज़र्व का अस्तित्व वहां काम करने वाले लोगों पर अपस्फीति थोपने का एक तरीका है, जिस में उनके द्वारा वस्तुओं के अवशोषण को संकुचित कर दिया जाता है। यदि श्रम रिज़र्व खत्म हो जायेंगे, तो श्रमिकों के लिए अधिक आय उत्पन्न होगी, और आपूर्ति मूल्य में वृद्धि के साथ उनकी वस्तुओं की मांग बढ़ जायेगी, जिससे तंत्र के भीतर पहले पैसे का मूल्य और अंततः तंत्र ही अस्थिर हो जाएगा। इस अस्थिरता को रोकने के लिए, "मुद्रास्फीति नियंत्रण" के उपायों को अपनाया जाएगा, जिससे पुनः श्रम रिज़र्व का निर्माण होगा। इसलिए श्रम रिज़र्व केवल औपनिवेशिक काल के विउद्योगीकरण की एक आकस्मिक ऐतिहासिक विरासत नहीं हैं; वे तंत्र के तर्क का मूल हिस्सा हैं।

आय की अपस्फीति द्वारा उत्पादित गरीबी, महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के अस्तित्व द्वारा उत्पादित गरीबी से अलग है, जिसके साथ आम तौर पर मार्क्स की टिप्पणी जुड़ी हुई है, जिसमें वह एक ध्रुव पर धन के उत्पादन और दूसरे ध्रुव पर गरीबी के उत्पादन के बारे में बात करते हैं। अन्य शब्दों में कहा जाए तो एक छोर पर पूँजी संचयन के माध्यम से संपत्ति वृद्धि के साथ-साथ इस उष्णकटिबंधी भूभाग के निवासियों द्वारा अवशोषित उन उत्पादों का भी उपयुक्त संकुचन होता है, जो आपूर्ति के बढ़ते दामों के अधीन होते हैं और इस पूरी प्रक्रिया में महानगरों में रिज़र्व सेना के साथ क्या होता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चूंकि यह आवश्यक है कि यह वस्तुएं किसी न्यूनतम मात्र में किसी न किसी बास्केट में पहुंचें, जिस तक पहुंच गरीबी को निर्धारित करने का मानक होना चाहिए, इसलिए इसका अर्थ है कि तीसरी दुनिया में पूँजी संचयन के साथ गरीबी में भी पूर्ण रूप से वृद्धि हो रही है और अतः महानगरों में सम्पत्तियों में भी वृद्धि हो रही है।

इसका अर्थ यह भी है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की जा रही गरीबी को एक वैश्विक घटना के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि केवल महानगरों में घरेलू रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार में वृद्धि के माध्यम से स्थानीय स्तर पर हो रही किसी घटना के रूप में। जब हम यह वैश्विक दृष्टिकोण अपनाते हैं तो हमें पता चलता है कि पूँजी संचयन के साथ-साथ संपूर्ण गरीबी में भी वृद्धि हो रही है, कम से कम बढ़ते हुए आपूर्ति दामों के अधीन वस्तुओं की कमी के संदर्भ में। केवल महानगरों पर ध्यान केन्द्रित करने और मार्क्स के प्रस्ताव को एकमात्र महानगरों में श्रम की रिज़र्व सेना के संपूर्ण आकार के संदर्भ में समझने से (जिसके लिए मार्क्स को ज़िम्मेदार ठहराया जाना चाहिए) ऐसा लग सकता है कि पूँजीवाद द्वारा पैदा की गयी गरीबी का स्तर तुलनात्मक रूप से कम है। इससे पूँजीवाद को सकारात्मक रूप से पेश करने में भी सुविधा मिलती है, जिसमें इसे एक हितैषी तंत्र की तरह प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन पूँजीवाद की यह हितैषी तस्वीर तब भ्रामक साबित होती है, जब हम इसके वैश्विक या साम्राज्यवादी चरित्र पर ध्यान देते हैं।

पूँजीवाद को 'बंद प्रणाली' के रूप में देखना किस प्रकार की दोषपूर्ण समझ की ओर ले जाता है?

1. पूँजीवाद के तहत गरीबी बहुत कम है और यह केवल स्थानीय स्तर पर ही व्याप्त है
2. आय अपस्फीति का गरीबी से कोई संबंध नहीं है
3. पूँजीवाद के तहत श्रम का कोई नुकसान नहीं होता है
4. उपरोक्त सभी

A1 1
:

1

A2 2
:

2

A3 3
:

3

A4 4
:

4